घ) मछलियाँ बगुले को क्या कहकर पुकारती थीं?

उ: मछलियाँ बगुले को मामा कहकर पुकारती थीं।

लिखित -

1. कहानी के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों को आगे क्रम संख्या लिखिए -

क) "मैं एक-एक करके तुम सबको अपनी चोंच में पकड़कर दूर एक बड़े तालाब में छोड़ आऊँ।" [2]

ख) धूर्त और दुष्ट व्यक्ति सदा सुखी नहीं रहते। [7]

ग) चट्टान के पास मछलियों की हड्डियों का ढेर लग गया। [4]

घ) बगुला पीठ से कहाँ उतरा। [6]

ङ) एक तालाब में पानी सूखता जा रहा था। [1]

च) "मैं तुम्हारी चोंच में दबकर नहीं चल सकता। कहो तो गरदन पर बैठकर चलूँ?" [5]

छ) मछलियाँ धूर्त बगुले की चाल में आ गईं। [3]

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

क) बगुला तालाब के किनारे किसका वेश बनाकर बैठा था और वह क्या सोच रहा था?

उ: बगुला तालाब के किनारे साधु का वेश बनाकर बैठा बगुला तालाब की मछलियों से अपना पेट भरने का उपाय सोच रहा था।

ख) मृत्यु के मुख से बचने के लिए बगुले ने मछलियों को क्या उपाय बताया?

उ: बगुले ने मछलियों को मृत्यु के मुख से बचने का यह उपाय बताया कि वह एक-एक करके सभी मछलियों को अपनी चोंच में पकड़कर दूर एक बड़े तालाब में छोड़ आएगा।

ग) बगुला मछलियों का क्या करता था?

उ: बगुला तालाब में से एक मछली ले जाता और दूर जंगल में एक बड़े तालाब के किनारे बड़ी चट्टान पर बैठ उसे मारकर खा जाता।

घ) केकड़ा बगुले की धूर्तता से कैसे परिचित हुआ? उसने अपनी जान कैसे बचाई?

उ: केकड़ा चालाक था। उसे बगुले पर विश्वास नहीं था, इसलिए उसने शर्त रखी कि वह बगुले की गरदन पर बैठकर चलेगा। जब केकड़ा चट्टान के पास पहुँचा, तो हड्डियों के ढेर को देखकर सब कुछ समझ गया। उसने बगुले की गरदन में डंक गड़ाए और उसे तालाब तक चलने पर मजबूर कर दिया। तालाब के किनारे पहुँच उसने बगुले की गरदन दबाकर उसे खत्म कर दिया। इस प्रकार अपनी सूझ-बूझ से केकड़े ने अपनी जान बचाई।

ङ. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए।

क) प्रस्तुत कहानी हमें क्या संदेश देती है? अपने शब्दों में विस्तार से लिखिए।

उ: प्रस्तुत कहानी हमें संदेश देती है कि किसी का बुरा नहीं करना चाहिए। बुराई का अंत बुरा होता है। धूर्त और दुष्ट व्यक्ति का अंत बुरा होता है। बुद्धि बल से ही दुष्ट की समाप्ति की जाती है। बिना सोचे-विचारे किसी की बात पर विश्वास नहीं करना चाहिए विवेक का सहारा लेकर अच्छे-बुरे की पहचान

करनी चाहिए। बगुला मछलियों को नए तालाब का लालच देकर अपना शिकार बना लेता है। भोली मछलियाँ उसकी बातों में आकर अपनी जान गँवा देती हैं। अंत में बगुला केकड़े को भी अपना शिकार बनाना चाहता है परंतु केकड़ा अपनी सूझ-बूझ के कारण न केवल बच जाता है वरन् धूर्त बगुले को भी मार देता है।

ख) किसी को धोखा देना अच्छा होता है या नहीं? तीन चार वाक्यों में उत्तर लिखिए। (मूल्यपरक प्रश्न)

उ: किसी को धोखा देना अच्छी बात नहीं है। धोखा देने वाला कुछ समय के लिए तो सफल हो जाता है परंतु उसकी असलियत एक-न-एक दिन सबको पता चल ही जाती है। धोखा देने वाले का अंत बहुत बुरा होता है।